मोहयाल मित्र

जी.एम.एस. आपके द्वार

जनरल मोहयाल सभा एक ऐसी संस्था है, जिसमें महिलाओं को मान–सम्मान व भागीदारी दी जाती है। इसका श्रेय हमारे कुशल नेतृत्व प्रधान श्री बी.डी. बाली जी को जाता है। जिनकी दूरदर्शिता और सूझ–बूझ का ही परिणाम है कि हमारे समाज की जरूरतमंद महिलाओं को न केवल आर्थिक मद्द दी जाती है अपितु उन्हें स्वयं का रोजगार स्थापित कर स्वावलम्बी भी बनाया जाता है। मेरा सौभाग्य है कि मुझे इस गौरवशाली संस्था के स्त्री विंग का कार्यभार सौंपा गया। मेरे शुरू से ही दिल में था कि अपने समाज में भी कुछ भागीदारी दूँ। श्री बी.डी. बाली जी की प्रेरणा से मैं लगभग 20 वर्ष पूर्व जी.एम.एस. से जुड़ी। जी.एम.एस. की स्त्रियों के लिए बहुत सी कल्याणकारी योजनाएँ चल रही हैं, फिर भी दिल में आता है कि अभी भी कुछ बाकी है कुछ और काम करने हैं जिससे समाज और प्रगति करे। हमने यह महसूस किया कि हर शहर, गाँव व प्रदेश की स्थानीय अलग–अलग जररूतें हैं, क्यों न वहाँ के स्थानीय लोगों के बीच जाकर एक संवाद स्थापित किया जाए तथा उनके सुझावों को जी.एम.एस तक पहुँचाया जाए। उन सुझावों के अनुसार ही कोई नई योजना बनाई जाए। इस नई शुरुआत को हमने नाम दिया–'जी.एम.एस. आपके द्वार'।

इसी के तहत हमने यमुनानगर के प्रधान श्री विपिन मोहन जी के सहयोग से स्त्री सभा के साथ एक संवाद–गोष्ठी का आयोजन किया। जिसमें काफी संख्या में मोहयाल बहनों ने भाग लिया और अपने विचारों का आदान–प्रदान किया। मैं धन्यवाद करती हूँ श्रीमती कमला दत्ता जी प्रधान स्त्री विंग यमुनानगर व श्रीमती प्रवीण बाली जी सेक्रेटरी स्त्री विंग यमुना नगर जो पिछले कई वर्षों से स्त्री मोहयाल सभा का संचालन कर रही है। मैंने सभी उपस्थित महिलाओं को जीएमएस द्वारा चल रही कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराया। सभी ने इन कार्यों की सराहना की। श्री विपिन मोहन जी ने भी अपने विचार रखे उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हम सभी को जी.एम.एस. के साथ आर्थिक सहयोग में भी कुछ न कुछ भागीदारी होनी चाहिए तथा हम सबको अपने परिवार में बच्चों व बहुओं को मोह्यालियत के संस्कार देने चाहिएँ।

मैं श्रीमती निशा मोहन जी का इस सफल आयोजन तथा स्वादिष्ट जलपान के लिए धन्यवाद करती हूँ।

जय मोहयाल

वंदना वैद, *सेक्रेटरी विंग (मो.) 9254121079*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

बधाइयाँ

अथर्व अमित दत्ता (कृष्णा) की पहली लोहड़ी व उसकी बहिन **सारा दत्ता (पीहु)** के जन्मदिन 19.01.2016 पर उनके दादी–दादा श्रीमत सुमन दत्ता व एस.पी. दत्ता सचिव मोहयाल सभा

आगरा द्वारा 250–250 रुपए जनरल मोहयाल सभा शिक्षा फ़ंड हेतु प्रदान किए। सारा दत्ता (पीहु) का जन्मदिन पारिवारिक सदस्यों व सहपाठियों व रिश्तेदारों द्वारा बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया तथा आए हुए सभी सदस्यों ने अमित दत्ता व श्रीमती शिल्पी दत्ता को बहुत–बहुत मुबारकबाद दी। श्री एस.पी. दत्ता व श्रीमती सुमन दत्ता ने आए सभी मेहमानों का तहेदिल से बहुत–बहुत धन्यवाद किया गया। सारा दत्ता व अर्थव (कृष्णा) की लंबी आयु एवम् उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

एस.पी. दत्ता, *सचिव एमएस आगरा (मो.) 9897455755*

बसंत पंचमी के अवसर पर आयोजित गुरदासपुर मोहयाल मेला

हर साल की भाँति इस वर्ष भी बाबा ठक्कर जी की समाधि, मोहयाल भवन गुरदासपुर में मोहयाल मेला बहुत उल्लास एवम् उत्साहजनक रूप में मनाया गया। पूरे भारत वर्ष के विभिन्न शहरों व गाँवों से करीब 2000 मोहयाल बहनों–भाईयों ने इसमें पूरे जोश के साथ मिलकर बाबाजी की समाधि पर प्रार्थना एवं अरदास की।

इस समारोह में जनरल मोहयाल सभा दिल्ली से श्री पी. के. दत्ता उपप्रधान जीएमएस ने विशेष रूप से भाग लिया। सभी सम्मिलित भाई–बहिनों ने भवन के रखरखाव व सफाई की प्रशंसा की। इसके साथ लगते प्लाट को खरीदने की योजना बनाने की प्रेरणा दी तथा माया रूप से भी भरपूर योगदान दिया।

विशेष रूप में जनरल मोहयाल सभा ने 10000 रुपए, श्री पी.के. दत्ता जी ने 2100 रुपए, श्रीमती मधू दत्ता गाँव तालिबपुर ने 43000 रुपए, स्व. श्री जी.एल. दत्ता 'जोश' दिल्ली के सुपुत्र व सुपुत्री ने भी 2100 रुपए तथा मोहयाल सभा अंबाला ने भी 2100 रुपए भेंट किए। इस तरह और उपस्थित सदस्यों ने भी इस सेवा में बढ़–चढ़ कर योगदान दिया।

मोहयाल महिलाओं के लिए मुफ़्त ट्रेनिंग

हमारी मौसियों **शालू छिब्बर** एवम् **रीनू छिब्बर** (पुत्री चंचल छिब्बर, चन्द्रमोहन छिब्बर) द्वारा प्रातः 11 बजे रविवार

दिनांक 23 जनवरी 2016 को अपने कावेरी ब्यूटिक बी–1/14 कृष्णा नगर दिल्ली के नये परिसर का शुभारम्भ किया। सर्वप्रथम बड़े–बूढों की कढ़ाई की गयी, हवन किया गया। इस अवसर पर परिवार के सभी सदस्यों तथा मित्रों ने शुभकामनाएँ दी। शालू छिब्बर एवं रीनू छिब्बर ने घोषणा की कि आर्थिक रूप से कमजोर मोहयाल बहनों को जो यमुनापार दिल्ली में रहती हों की निःशुल्क कटिंग एवम् टेलरिंग का कोर्स करवाया जाएगा। कोर्स करने वाली बहनों को घर से आने–जाने का किराया तथा दोपहर के भोजन की व्यवस्था रहेगी। जो बहनें कटिंग एवं टेलरिंग का कोर्स करना चाहें वे श्री जसवीर बक्शी सेक्रेटरी मोहयाल सभा झील मो. 8459141682 पर सम्पर्क करें। इस अवसर पर जनरल मोहयाल सभा तथा मोहयाल सभा झील को सौ–सौ रुपए की राशि अर्पित की गई।

विनीतः– ***सिद्धार्थ दत्त, कावेरी दत्त*** *(मो.) 9250185330*

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

मोहयाल मिलन पानीपत

मोहयाल सभा पानीपत ने 7 फरवरी 2016 को मिनी मोहयाल मिलन का आयोजन किया। नन्हीं मुन्हीं बच्चियों ने तिलक लगाकर उप प्रधान श्री पी.के. दत्ता जी, युवा मामलों के चेयरमैन श्री योगेश मेहता, जीएमएस के प्रवक्ता श्री एस.एस. मोहन, महिला विंग की सचिव श्री नीरू दत्ता, जीएमएस सदस्य श्री विपिन मोहन व उनकी धर्मपत्नी, अंबाला से श्रीमती नीलम छिब्बर, जीएमएस सदस्य श्री प्रदीप वैद सभा के पूर्व संरक्षक श्री विश्वामित्र भिमवाल एवं श्री अभिषेक दत्ता का स्वागत किया। इसके पश्चात सभी ने भाई मतिदास जी को फूल अर्पण करके नमन किया।

समारोह की अध्यक्षता पानीपत के पूर्व प्रधान व वयोवृद्ध मोहयाल श्री प्रकाश दत्ता जी ने की। इसके बाद मोहयाल प्रार्थना की गई, साथ ही निम्नलिखित सदस्यों के निधन पर मौन रखा गया।

1. श्री प्रह्लाद बाली 2. श्री रमेश मेहता 3. श्री बंसीलाल बाली

सभी आए हुए मेहमानों का सर्वश्री ऋत मोहन, भूपेंद्र दत्ता, ब्रिज मोहन छिब्बर, राजकुमार दत्ता, प्रो. राकेश मोहन, नवीन वैद, नितिन दत्ता, लवनीश मेहता, रमन दत्ता, नरिंद्र छिब्बर, सुरिंदर लौ, दीपक बाली, आनंद बक्शी, सुरिंदर दत्ता, विजय मेहता, राजीव दत्ता, सुमित मेहता, सुमिल छिब्बर, तन्मय मोहन व सागर बाली ने हार डालकर व फूलों के गुलदस्ते देकर स्वागत किया। जबकि श्रीमती सुनीता मोहन, श्रीमती उषा मेहता, श्रीमती अंजू छिब्बर, श्रीमती पूजा मेहता, श्रीमती बबिता वैद, श्रीमती स्नेहलता, श्रीमती प्रवीण मेहता, श्रीमती अर्चना दत्ता, श्रीमती रजनी बाली, श्रीमती नेहा दत्ता, श्रीमती वीणा दत्ता, श्रीमती संतोष दत्ता इत्यादि ने महिलाओं का हार डालकर व शॉल ओढ़कर स्वागत किया।

मंच का संचालन श्रीमती पूजा मेहता ने किया। प्रधान श्री कैलाश वैद जी मुंबई जाने की वजह से समारोह में भाग नहीं ले सके। मुख्य अतिथि श्री पी.के. दत्ता जी ने कहा कि पानीपत में आकर उनको बड़ा अच्छा लग रहा है। उन्होंने कहा कि मोहयाल कौम वो बहादुर कौम है, जिन्होंने की बड़े–बड़े सूरमा देश को दिए हैं। शुरू से ही हमारी बिरादरी के लोग देश के लिए अपनी जाने कुर्बान करते हुए आए हैं। श्री दत्ता जी ने कहा कि मोहयालों को हर हाल में अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाने का प्रयास करना चाहिए, इसके लिए जीएमएस भी पूरी कोशिश कर रही है। श्री बी.डी बाली जी का अथक प्रयास है कि आर्थिक तंगी के कारण कोई भी मोहयाल बच्चा पढ़ने से वंचित न रह जाए, उसे हर तरह की मदद दी जाएगी। उन्होंने कहा कि जीएमएस सदस्य श्री ऋत मोहन जी हमेशा से जीएमएस की बेहतरी के लिए लगे रहते हैं। उन्होंने समारोह में महिलाओं की अधिक संख्या होने पर बड़ी खुशी जताई तथा कहा कि लोकल सभाओं की महिने की मीटिंग जीएमएस एवं बिरादरी की रीढ़ की हड्डी है, किसी भी सूरत में ये बंद नहीं होनी चाहिए। मोहयालों को मीटिंग में अपने बच्चों समेत उपस्थित होना चाहिए, ताकि उन्हें हमारे इतिहास तथा महापुरूषों की जानकारी मिलती रहे। उन्होंने अपनी ओर से 10000 रुपए की राशि सभा को भेंट की।

नन्हे–मुन्हे बच्चों ने अपनी दिलकश अदाओं द्वारा सबका दिल मोह लिया सभी को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। इनमें जाह्नवी बाली, कामाक्षा वैद, भाग्य वैद, संस्कृति वैद, प्राची लौ, विवान दत्ता, राघव दत्ता, वरदान छिब्बर, कुशाग्र, सौमिल, ध्रुव, पीयूष, ऋचा, अन्नता, युवराज बक्शी ने विशेषतौर पर प्रभावित किया। श्री जीतेन्द्र छिब्बर ने पंजाबी गाने के द्वारा सबका मन मोह लिया। अभिषेक दत्ता ने भी एक भजन गाकर सबको चौंका दिया। श्री योगेश मेहता ने इस मौके पर कहा कम समय में पानीपत सभा द्वारा इतना शानदार समारोह काबले तारीफ है। उन्होंने जीएमएस द्वारा युवाओं के लिए किए जा रहे कार्यों का जिकर किया। उन्होंने कहा कि देहरादून सभा द्वारा लगाए गए तीन दिवसीय कैंप में अनेक युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला। उन्होंने मोहयाल बिरादरी के बारे अपने अनुभव साँझा करते हुए कई किस्से सुनाए। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों को 1000 रुपए उनके अच्छे कार्यक्रम से खुश होकर दी।

जनरल मोहयाल सभा के सदस्य श्री विपिन मोहन ने कहा कि जीएमएस को सुदृढ़ करने में पानीपत सभा शुरू से आगे रही है। उन्हें यहाँ आकर अपने दूसरे घर जैसा लगता है। हमें सभी को चाहिए कि अपने बच्चों को मासिक बैठकों में जरूर लेकर आए, जिससे कि उन्हें अपने इतिहास के बारे में जानकारी मिल सके। श्री मोहन ने कहा कि बेशक पानीपत में मोहयालों की संख्या कम हो लेकिन आज के समारोह में उनकी उपस्थिति सराहनीय हैं जीएमएस के प्रवक्ता श्री एस. एस. मोहन ने कहा कि हमारा प्रयास है कि तालमेल समिति के माध्यम से मीटिंग की जाए, उनकी बातों को सुना जाए तथा उनके सुझावों को अमन में लाया जाए ताकि जीएमएस और भी सुदृढ़ हो सके। उन्होंने 1100 रु. की राशि सभा को भेंट किए।

महिला विंग की सचिव श्रीमती नीरू दत्ता ने कहा कि आगामी 20 मार्च को मोहयाल रिश्ते–नाते सम्मेलन नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। इसमें सभी अभिभावक अपने

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

शादी के लायक बच्चों के साथ पहुँचे, वहाँ पर पंडित जी भी उपलब्ध रहेंगें। लड़के–लड़कियों के सैकड़ो बायो–डाटा होंगे। भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री संजय भाटिया जी भी कुछ समय के लिए इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। उन्होंने कहा कि इस कौम के बारे में उन्हें अच्छी खासी जानकारी है। 1962, 1965, 1971 और कारगिल युद्ध में मोहयालों ने सर्वाधिक योगदान दिया। ऐसी बिरादरी के समारोह में सम्मिलित होने पर बड़ा गर्व हो रहा है। श्री प्रकाश दत्ता जी ने पानीपत सभा की ओर से जीएमएस को हर प्रकार के सहयोग का अश्वासन दिया। श्री विश्वामित्र भिमवाल जी ने कहा कि पानीपत सभा से अत्यंत लगाव के कारण ही वह अबोहर से इस कार्यक्रम में सम्मिलित होने आए हैं।

जी.एम.एस. सदस्य श्री ऋत मोहन जी ने आए हुए मेहमानों का धन्यवाद करते हुए कहा कि जीएमएस ने तालमेल समिति बना कर बड़ा सराहनीय काम किया है। इससे रुकी हुई सभाओं को भी चालू करने की मदद मिलेगी। उन्होंने श्री बी.डी. बाली जी की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में हमारी बिरादरी दिन दोगुनी–रात चौगुनी तरक्की कर रही है। उन्होंने आज के कार्यक्रम के लिए इतने कम समय में आए हुए अतिथितियों व पानीपत के मोहयालों का तहे दिल से शुक्रिया अदा किया। उन्होंने दत्ता टेंट हाउस के श्री भूपिंद्र दत्ता जी का टेंट सहित सभी सुविधाऐं मुफ्त में उपलब्ध कराने पर धन्यवाद किया। साथ ही सभा के सदस्यों, महिला विंग के सदस्यों तथा युवा विंग के सदस्यों की कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद किया।

नरिंदर छिब्बर, *सचिव (मो.) 9416412184*

नजफगढ़–दिल्ली

मोहयाल सभा नजफगढ़ की मासिक बैठक 7.02.2016 को प्रधान श्री शेरजंग बाली की अध्यक्षता में श्री आर.एल. दत्ता जी के निवास स्थान आरजेड ए–64, गली नं.6, प्रेमनगर, नजफगढ़, नई दिल्ली–43 में मोहयाली प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ आरम्भ हुई, जिसमें 23 भाई–बहनों ने भाग लिया। सभा के सचिव श्री हर्ष दत्ता जी ने पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई, वित्त सचिव श्री बलदेव राज दत्ता जी ने लेखा–जोखा पेश किया, जिसका सब सदस्यों ने अनुमोदन किया।

शोक समाचारः नजफगढ मोहयाल सभा के सचिव श्री हर्ष दत्ता के पिताजी श्री सोमराज दत्ता जी का निधन 6 जनवरी 2016 को हुआ। सभी सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रभु से प्रार्थना की।

शुभ समाचारः दसवीं कक्षा में (100 प्रतिशत) अंक प्राप्त करने पर साक्षी वैद तथा जैशिता वैद को जीएमएस द्वारा प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान से पुरस्कृत किया गया। इस पर प्रधान जी ने बधाई दी। ले. कर्नल बी.के.एल छिब्बर (से.नि.) ने सुझाव दिया कि एमएस नजफगढ़ का वार्षिक सदस्य शुल्क 100 रुपए के स्थान पर 50 रुपए होना चाहिए, इससे ज्यादा मोहयाल लोकल सभा के सदस्य बनेगें। प्रधान जी ने उपस्थित सदस्यों के बहुमत पर इस सुझाव को मान लिया।

जिन मोहयाल विधवाओं व जरूरतमंद लोगों को जीएमएस से आर्थिक सहायता मिलती है, वह अपना लाइव प्रमाण पत्र 14 फरवरी 2016 तक एमएस नजफगढ़ में दें ताकि 29 फरवरी 2016 से पहले जीएमएस में जमा करवा सके।

ग्रांड मैच मेकिंग मेला 20 मार्च 2016 को जीएमएस मोहयाल फाउंडेशन में होगा। रिश्ते–नाते के लिए फार्म भरकर 15 फरवरी 2016 तक जीएमएस में दे दें। फार्म फरवरी 2016 के मोहयाल मित्र पेज नं.18 पर प्रकाशित है।

दान राशिः श्री शेरजंग बाली जी ने अपनी पुत्रवधू श्रीमती आशिमा बाली (पत्नी श्री अमित बाली) के जन्मदिन 11 फरवरी के उपलक्ष्य में 500 रुपए श्री बलदेव राज दत्ता जी, 200 रु. श्री गोपाल मोहन छिब्बर जी, 100 रुपए श्रीमती सोमा देवी जी वैद, 50–50 रुपए श्री सुभाष चन्द्र जी दत्ता और श्री योगराज बाली जी ने मोहयाल सभा नजफगढ़ को भेंट किए।

श्रीमती उषा बाली जी ने अपने पुत्र स्व. श्री अमित कुमार बाली की स्मृति में 250 रुपए एम.एस नजफगढ़ को भेंट किए।

चर्चा के लिए खास मुद्दा न होने के कारण बैठक की समाप्ति की घोषणा की गई। अंत में सभी ने बढ़िया जलपान एवम् स्वादिष्ट भोजन के लिए श्री आर.एल. दत्ता को धन्यवाद दिया।

अगली बैठक 6 मार्च 2016 को श्रीमती उषा बाली जी के निवास स्थान एम–86ए, न्यू रोशनपुरा, नजफगढ़, नई दिल्ली–43 में प्रातः 10:30 बजे होगी। सभी सदस्यों से उपस्थित होने का निवेदन है।

शेरजंग बाली, *प्रधान* — *मो.: 9871756765*

हर्ष दत्ता, *सचिव* — *मो. 9312174583*

जगाधरी वर्कशाप

सभा की मासिक बैठक 7 फरवरी 2016 को सभा के प्रधान जी के निवास स्थान 1426 मार्डन कालोनी आईटीआई में सभा के प्रधान श्री सतपाल दत्ता जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

सभा ने सर्वप्रथम जीएमएस द्वारा आयोजित प्रतिभाशाली विद्यार्थी सम्मान समारोह में सम्मानित यमुनानगर एवं जगाधरी वर्कशाप के सभी बच्चों एवं उनके अभिभावकों को बधाई दी। जिनमें नरेश वैद जी के सुपुत्र लक्षय वैद सभा के महासचिव डॉ. सुरेन्द्र मेहता के सुपुत्र गौरव मेहता एवं देवेन्द्र मेहता की सुपुत्री कुमारी कंचन छिब्बर तथा कुमारी जाह्नवी दत्ता ने यमुनानगर का नाम रोशन किया तथा सभा ने जीएमएस का

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

धन्यवाद किया। सभी सदस्यों ने सभा में अपने–अपने विचार रखे। सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि सभा के चुनाव अगले माह मार्च में करवाऐं जाऐं, जिसे सभा के प्रधान ने अपनी स्वीकृति दे दी। अतः 6 मार्च 2016 को जंजघर माड्रन कालोनी आई.टी.आई में सभा के चुनाव करवाए जाऐंगे। सभा के सभी सदस्यों से निवेदन है कि 6 मार्च 2016 सुबह 10:30 बजे यथास्थान उपस्थित हों।

अंत में सभा के प्रधान श्री सतपाल दत्ता जी सभी सदस्यों को जलपान करवाया तथा सभी सदस्यों ने प्रधान जी का धन्यवाद किया। अगले माह की मीटिंग 6 मार्च 2016 को जंजघर माड्रन कालोनी आई.टी.आई में होगी।

सतपाल बाली, *सचिव (मो.) 9729530102*

बराड़ा

मोहयाल सभा बराड़ा की मासिक बैठक 7.02.2016 को गायत्री मंत्रोच्चारण व मोहयाली प्रार्थना के बाद प्रधान हरदीप सिंह वैद की अध्यक्षता में भाई लक्ष्मणदेव छिब्बर जी के निवास स्थान पर हुई, जिसमें 12 भाई–बहिनों ने भाग लिया। सभा में आए हुए भाई जोगिंद्र मोहन छिब्बर ने सुझाव दिया कि मोहयाल मित्र पत्रिका में हमारे वंशज के बारे में समय–समय पर लेख प्रकाशित होने चाहिएँ ताकि हमारी युवा पीढ़ी को भी इसके बारे में जानकारी मिले।

जन्मदिन की बधाईः बेबी माहिरा दत्त सुपुत्री श्रीमती चंचल दत्त व श्री शैशव दत्त का तीसरा जन्मदिन दिनांक 31.12.2015 को मनाया गया। इस खुशी में परिवार की तरफ से एक सौ एक रुपए जीएमएस को व एक सौ एक रुपए बराड़ा मोहयाल सभा को दिए गए।

सभी सदस्यों ने भाई लक्ष्मणदेव छिब्बर जी का जलपान के लिए धन्यवाद किया।

रविन्दर कुमार छिब्बर, *महासचिव (मो.) 9466213488*

अंबाला छावनी

दिनांकः 7.01.2016 स्थानः निवास स्थान श्री धर्मेन्द्र वैद, प्रधानः श्री आई.आर. छिब्बर, उपस्थितः 151, प्रधान जी ने सू. कुलदीप मेहता जो लगभग डेढ़ वर्ष से बीमार चल रहे थे, इतने अरसे के बाद सभा में शामिल होने पर हर्ष प्रकट किया तथा गरम जोशी से स्वागत किया। साथ ही श्री एम.के. वैद जो अस्वस्थ हैं उनके शीघ्र ठीक होने की कामना की। इस मीटिंग में चार स्त्री सदस्यों की उपस्थिति ने मीटिंग की शोभा बढ़ाई। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण बाद दो मिनट का मौन रख कर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की–

(क) श्रीमती कैलाश देवी पत्नी श्री वेद प्रकाश दत्ता गाँव धीरोवाल, मुकेरियाँ, का निधन 27.11.2015 को हो गया। वह 75 वर्ष की थी तथा एच.एफ.ओ. एम.एल. दत्ता की बड़ी भाभी थीं। वे नेक, सुशील तथा प्रभु भक्ति में आस्था रखने वाली थीं।

(ख) श्रीमती सुदर्शना छिब्बर (निवासी जीएच–14, पश्चिम विहार नई दिल्ली) साल की जीवन यात्रा पूरी करके 1.12.15 को इस संसार को विदा कर गई। वे परोपकारी, नेक, व समाज में अपने अच्छे कार्यों के लिए प्रसिद्ध थीं। दिल्ली में एक में एक सरकारी स्कूल से 2000 में सेवानिवृत्त हो गई, उन्हें सरकारी प्रबंधन विषयों का बहुत ज्ञान था। वे बच्चों के प्रति स्नेह रखती थीं। इनकी क्रिया लक्ष्मी नारायण मंदिर में 10 दिसंबर 2015 को हुई।

महासचिव ने पिछली मासिक मीटिंग की कार्यवाही पढ़कर सुनाई तथा सर्वसम्मति से अनुमोदन हुआ। 2 जनवरी 2016 को पठानकोट एयरबेस पर आतंकी हमले पर चर्चा हुई तथा जवाबी कार्यवाही में वीरगति प्राप्त ले. कर्नल ई.के. निरंजन (बंगलूरू), कैप्टन फतेह सिंह (गुरदासपुर) एयरफोर्स कमांडो गुरसेवक सिंह (अंबाला) तथा अन्य शहीद जवानों के परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की तथा कार्पोरल गौड़ (एयर फोर्स) कमांडो गोली के शिकार गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे वे गाँव बब्याल (दलीपगढ़ अंबाला कैंट) के निवासी हैं शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

इस संदर्भ में भगवद्गीता व श्लोक पूर्णतयः मान्य है।

संपदि यस्य न हर्षो, विपादि विषादो रणो च मीरुत्वम्,
तं भुवन त्रये तिलकम् जनेयति जननी सुतं बिरलम्।

प्रस्तावः गुरदासपुर मोहयाल सभा के निमंत्रण पर जो 12 फरवरी 2016 को बाबा ठक्कर की समाधि पर, हर वर्ष मेला लगता है तथा लंगर का प्रबंध होता है के लिए 2100 रुपए मोहयाल सभा अंबाला कैंट की तरफ से भेंट प्रस्ताव पारित हुआ। एम.एल दत्ता जी इस पर्व पर शामिल होंगे। लोकल सभा सदस्यता वार्षिक शुल्क सबने सेक्रेटरी फाइनेंस श्री धर्मेंद्र वैद को (वर्ष 2016) दे दी है। सदन में निर्णय लिया गया कि आने वाली मीटिंग में वर्ष 2015 के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मान दिया जाएगा।

दान राशिः डिप्टी कमां. पी.आर. मेहता 500 रुपए, श्री आई.आर. छिब्बर 500 रु. एच.एफ.ओ. एम.एल. दत्ता 200 रुपए श्री डी.वी. बाली 200 रु. श्री धर्मेन्द्र वैद 200 रु., श्री नरेश वैद 100 रु., श्री एस.के. मेहता 100 रुपए।

अगली मासिक मीटिंग कमां पी.आर. मेहता जी ने अपने निवास स्थान पर 6.03.2016 को करने का आग्रह किया। प्रधान जी ने वैद परिवार को विशेष बढ़िया चाय–नाश्ते के लिए धन्यवाद करते हुए, जय मोहयाल के नारों के साथ मीटिंग संपन्न की।

आई.आर. छिब्बर, *प्रधान* ***एचएफओ एम.एल. दत्ता,*** *महासचिव*
मो.: 9416464488 *मो. 9896102843*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

फरीदाबाद

मोहयाल सभा फरीदाबाद की मासिक बैठक 7 फरवरी 2016 को श्री रमेश दत्ता जी की अध्यक्षता में मोहयाल भवन में सम्पन्न हुई, जिसमें 30 भाई–बहनों ने भाग लिया।

शोकः श्री मिथलेश दत्ता जी के साडू श्री विनोद दत्ता, जिनका निधन 6 फरवरी को लुधियाना में हुआ, की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा।

मोहयाल प्रार्थना के उपरान्त, रायज़ादा के.एस. बाली जी ने पिछले माह की रिपोर्ट पढ़ी। उन्होंने बताया कि अगले माह की 20 तारीख को दिल्ली में रिश्ते–नाते मिलन आयोजित किया जा रहा है। जिन भाई–बहनों के बच्चे विवाह योग्य हों, वे फार्म भरके फरीदाबाद मोहयाल सभा को दे दें अथवा दिल्ली भिजवा सकते हैं। 'मोहयाल मित्र' में यह फार्म छापा गया है, जिसमें अभिभावक अपने बच्चों का विवरण भेज सकते हैं। श्री बलराम दत्ता जी ने भी अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के मेलों का हमें अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहिए।

श्री राजेंद्र मेहता जी ने हरनिया की बीमारी के बारे में जानकारी दी व उससे बचने के उपायों का विवरण दिया।

श्री आर.सी. दत्ता जी ने 500 रुपए विधवा फंड में सहयोग राशि के रूप में दिए। प्रधान श्री रमेश दत्ता जी ने बताया कि श्री आर.सी. दत्ता जी ने अपनी पौत्री देवश्री सुपुत्री श्री आशु दत्ता के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आज के भोजन की व्यवस्था करवाई है। श्री आशु दत्ता जी ने सभी उपस्थितजन को श्री कृष्णागीता की पुस्तक भेंट की। श्रीमती बाला बाली जी ने गीत गाकर देवश्री को जन्मदिन की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने श्रीमती संगीता के बेटे की उपलब्धियों के बारे में बताया व उन्हें शुभकामनाएँ दीं।

श्री ओ.पी. मोहन जी भी मीटिंग में उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि बैठक का समापन शांति पाठ के साथ होना चाहिए। सभी ने उनकी सलाह की सराहना की व शांति पाठ पढ़ा गया।

श्री रमेश दत्ता जी ने सबका धन्यवाद किया और श्री आर.सी. दत्ता जी का स्वादिष्ट भोजन के लिए धन्यवाद किया।

अगली मीटिंग 6 मार्च को मोहयाल भवन में होगी।

रमेश दत्ता, *प्रधान* — ***रायज़ादा के.एस. बाली,*** *महासचिव*
मो.: 9212557095 — *मो. 9899077041*

प्रेमनगर–देहरादून

मोहयाल सभा प्रेमनगर की बैठक 3.01.2016 को श्री रमेश दत्ता जी के निवास स्थान हिलव्यू होस्टल, प्रेमनगर देहरादून में श्री डी.एन. दत्ता (प्रधान) की अध्यक्षता में 25 भाई बहिनों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना के पश्चात सभा की कार्यवाही आरम्भ की गई, सचिव श्री राजेश बाली जी ने गत माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई तथा श्री जे.एस. दत्ता कोषाध्यक्ष ने आय–व्यय का लेखा–जोखा प्रस्तुत किया। सभी ने उसका अनुमोदन किया।

शोक समाचारः श्री एस.के. दत्ता प्रबन्धक मोहयाल स्कूल करनपुर, देहरादून तथा श्री जयदीप दत्ता, डॉ. कुलदीप दत्ता तथा श्री प्रदीप दत्ता जी की माता श्रीमती कृष्णा दत्ता जी के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धा–सुमन भेंट किए गए। पठानकोट हमले में शहीद हुए सैन्य अधिकारी एवं जवानों को भी दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। डॉ. कुलदीप दत्ता, श्री जयदीप दत्ता एवं प्रदीप दत्ता जी ने अपनी माताजी की पवित्र याद में उठाले के समय एम.एस. प्रेमनगर को 100 रुपए भेंट स्वरूप दिए।

मोहयाल मित्र पत्रिका वर्ष 2016 के नवीनीकरण हेतु सदस्यों को सूचित किया गया। कुछ सदस्यों ने धनराशि भी सचिव महोदय को जमा करवा दी। अन्त में श्री रमेश दत्ता एवम् उनके परिवार को जलपान एवं स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था करने पर प्रधान श्री डी.एन. दत्ता ने सभा की ओर से धन्यवाद दिया। सभा की अगली मीटिंग श्री डी.एन. दत्ता प्रधान जी के निवास स्थान किशननगर, देहरादून में 31 जनवरी 2016 को होगी।

राजेश बाली, *सचिव (मो.) 9758135583*

स्त्री सभा यमुनानगर

स्त्री सभा की मासिक मीटिंग 5.01.2016 को श्रीमती रेणू छिब्बर के निवास स्थान पर हुई। सभा में सभी बहनों ने भाग लिया। श्रीमती कमला दत्ता जी ने सभा की अध्यक्षता की, गायत्री मंत्र के साथ सभा की कार्यवाही शुरू हुई। सभा में नए सदस्य बनाने पर विचार किया गया।

सभा में सभी बहनों ने नववर्ष की बधाई दी। और जीएमएस अध्यक्ष रायज़ादा बी.डी बाली उनकी पूरी टीम को नववर्ष मंगलमय की कामना की। सभा में नय सदस्य बनाए गए, श्रीमती निशा मोहन ने कहा कि अधिक से अधिक सदस्य बनें।

श्रीमती रेणु छिब्बर ने अपनी बेटी की शादी पर 500 रु. स्त्री सभा को भेंट किए। भगवान उसकी दीर्घायु करे। श्रीमती सूरज वैद ने अपने पोते के जन्मदिन पर 100 रुपए सभा को भेंट किए भगवान उनकी दीर्घायु करें।

श्रीमती भगीरथी बाली, श्रीमती तारावंती वैद, श्रीमती सुरक्षा मेहता, श्रीमती बाला मेहता और श्रीमती सुनिता दत्ता ने अपने विचार रखे। शांति पाठ के साथ सभा की समाप्ति हुई।

■ स्त्री सभा की मासिक मीटिंग श्रीमती स्नेह दत्ता के निवास स्थान पर 5.12.2015 को हुई, श्रीमती कमला दत्ता ने अध्यक्षता की सभी बहिनों ने भाग लिया। सभा में सभी बहनों को आजीवन सदस्य बनने के लिए जोर दिया गया।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

श्रीमती सुनिता दत्ता जी के बेटे की शादी पर सभी बहिनों ने उन्हें बधाई दी। श्रीमती सुनिता दत्ता जी और श्री वीरेन्द्र दत्ता ने अपने दोहते के जन्मदिवस पर 200 रुपए दान दिए, भगवान उसको दीर्घायु रखे।

श्रीमती सुनिता दत्ता, श्रीमती बाला मेहता, श्रीमती विजय लक्ष्मी, श्रीमती वीना वैद, और श्रीमती भगीरथी बाली ने अपने अपने विचार रखे। शांति पाठ के साथ सभा की समाप्ति हुई।

■ स्त्री सभा की मासिक मीटिंग 5.10.2015 को श्रीमती कमला दत्ता के निवास स्थान पर हुई, सभी बहिनों ने मीटिंग में भाग लिया, श्रीमती कमला दत्ता ने अध्यक्षता की। सभा में रायज़ादा बीडी बाली जी और जीएमएस के सभी सदस्यों को उनके कार्यों के लिए सराहना की।

सभा में सभी बहनों को आजीवन सदस्य बनने पर जोर दिया गया। सभा में नववर्ष बनाने पर विचार किया गया। श्रीमती कमला दत्ता जी और सभी बहिनों ने आर्थिक सहायता देने के लिए भी विचार किया। श्रीमती कमला दत्ता को पड़पोती के जन्मदिवस पर बधाई दी गई।

श्रीमती कमला दत्ता ने अपनी पड़पोती, श्री अश्वनी दत्ता और श्रीमती निशि दत्ता की पोती और बेटी श्रीमती गौरी दत्ता और श्री अभिषेक दत्ता ने 500 रुपए स्त्री सभा यमुनानगर को भेंट किए। शांति पाठ के साथ सभा की समाप्ति हुई।

श्रीमती परवीन बाली, *सचिव (फोनः 01732–226799*

सिरसा

सिरसा मोहयाल सभा की बैठक 11 जनवरी 2016 को श्री रमेशचन्द्र दत्ता के निवास स्थान पर श्री मदनलाल दत्ता, प्रधान की अध्यक्षता में हुई, जिसमें 15 भाई–बहिनों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना के दौरान श्री मदनलाल जी ने सभी के भाईयों–बहिनों बुजर्गों को नववर्ष की शुभकामनाएँ दीं।

श्री रमेश चन्द्र दत्ता सामाजिक संगठनों से जुड़े हैं। वे समय–समय पर सभा का मार्ग दर्शन करते हैं। सभा एफिलेशन के लिए 200 रुपए का चेक भेजा गया। सभी ने मोहयाल मित्र लगवाने की निवेदन की, जिस पर युधिष्ठर दत्ता ने 200 रु. का चेक दे दिया। सभी भाई–बहिनों ने मोहयाल मित्र लगवाने का अश्वासन दिया। सभा में प्रधान जी ने जीएमएस के कार्यालय में कार्यरत कैप्टन साहब की बहुत सराहना की क्योंकि फोन पर अगर उनसे कोई समस्या का हल पूछा जाए तो वे बहुत अच्छी और मधुर भाषा में समस्या का समाधान करते हैं। सभी उनसे खुश हैं।

आदरणीय बी.डी. बाली जी एवं समस्त कार्यकारिणी के सदस्यगणों को नववर्ष की बहुत–बहुत बधाई। जीएमएस द्वारा प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित करना तथा उनकी आर्थिक मदद करना बहुत अच्छा कार्य है। सभी ने इसका धन्यवाद किया। सभी सदस्यों ने चाय–पान के लिए श्री रमेश चन्द्र दत्ता का धन्यवाद किया और सभा सम्पन्न हुई।

मदनलाल दत्ता, *प्रधान*

मोहयाल, मोह्यालियत और इतिहास–2

पिछले अंक में बताया गया था कि आधी दुनिया को जीतने वाली मुस्लिम सैनिक शक्ति को ईरान से निकल कर दर्रा खैबर पहुँचने तक 300 से अधिक वर्ष (640–1000 ई) लगे। इसमें से लगभग 860–1026 ई. तक इस्लाम की भारत में प्रविष्टि रोकने का श्रेय पश्चिमोत्तर सीमा पर राज कर रहे हमारे दत्त और वैद मोहयाल पूर्वजों को है। मुस्लिम और अंग्रेज शासकों ने अपने लम्बे शासन काल में अफ़गानिस्तान के हिन्दू राजाओं के इस सतत प्रतिरोध को पूर्णतया छिपा कर रखा। यही कारण है कि हमारे पूर्वजों के वैभवशाली शासन का उल्लेख भी भारत–इतिहास की पाठ्य पुस्तकों में नहीं मिलता।

870 ई में जाबुल (पश्चिम–दक्षिणी अफ़गानिस्तान) का हिन्दू राज्य उनके हाथ से निकल गया। तब तक काबुल के राज्य पर वहाँ के ब्राह्मण वज़ीर का शासन हो गया था। उसने एक कुशल सेनापति को सुसज्जित सेना देकर अफ़गानिस्तान के उत्तरी भाग पर आक्रमण करने के लिए भेजा। यह सेनापति उत्तरी क्षेत्र के मुस्लिम अधिकारी को पराजित करके मजारे शरीफ से सुचारू रूप से शासन चलाने लगा। उसके सैनिक और शासन कौशल से प्रसन्न होकर ब्राह्मण वज़ीर ने उसको सामन्तदेव के नाम से काबुल राज्य के सिंहासन पर सुशोभित कर दिया। कश्मीर के इतिहास ''राजतरंगिनी'' में उसके लल्लय नाम से बहुत प्रशंसा हैं कि उत्तर भारत के राजा उसके पास आकर शरण लेते थे।

सामन्तदेव आज की मोहयाल दत्त जाती का पूर्वज था। उसका राजवंश इतिहास में ब्राह्मण हिन्दू शाही के नाम से जाना जाता है।

लगभग 895 ई. उसका बेटा कमलवर्मन काबुल पर राज करने लगा। उस समय उनकी राजधानी काबुल से हटाकर अट्टक से 15 मील ऊपर सिंध नदी के दायें किनारे उद्धांडपुरा (विहिण्ड) में आ गई थी। गज़नी जो जाबुल राज्य में था, उस समय सीस्तान के (मुस्लिम) ''सफ़्फार'' राजवंश के आधीन था। 900 ई. के लगभग ग़ज़नी में एक नया गवर्नर फरदघन नियुक्त हुआ। उसके अपने ही शासनक्षेत्र में ''सागावंड'' नाम के नगर में एक विख्यात हिन्दू मंदिर को विध्वस्त करके उसने सब मूर्तियाँ तोड़ दीं और सारा धन लूट लिया। कमलवर्मन को जब इसकी सूचना मिली तो उसने अपनी सेना लेकर जाबुलिस्तान पर चढ़ाई कर दी। मुस्लिम इतिहासकारों के अनुसार उसके साथ एक और हिन्दुस्तान का राजा (राय) भी था। संभवता यह उसका भाई था जो काबुल में गवर्नर नियुक्त रहा होगा। एक लेखक मुहम्मद ऊफी के आधार पर बहुत समय तक इतिहास में लिखा जाता रहा कि फरदघन की चालाकी के प्रचार से डर कर कमलवर्मन आगे नहीं बढ़ा। परन्तु एक विश्वसनीय पुस्तक ''तारीखे सीस्तान'' से इस युद्ध का वृत्तांत मिला है जिसके अनुसार फरदघन परास्त हो गया था। लगभग 921 ई. में कमलवर्मन का उत्तराधिकारी उसका

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

बेटा भीमदेव था। अपने पिता और पितामह के समान वह भी एक पराक्रमी शासक था और अपने राज्य को पूर्णतया सुरक्षित रखा। एक शिलालेख के अनुसार वह "गदाहस्त, परमभट्टारक, महाराजाधिराज, परमेश्वर" की उपाधियों से विभूषित था। एक और शिलालेख के अनुसार उसने अपने समकालीन प्रतिहार वंश के विख्यात राजा महिपाल (914–948 ई.) को कैलाश से आई वैकुण्ठ की प्रतिमा देकर उससे हाथी और अश्व का दल अपने देश की सुरक्षा दृढ़ करने के लिए मंगवाया था।

इस वंश के राजाओं के बहुत से चांदी और तांबा के सिक्के मिले हैं जिन पर उनका नाम अंकित है। एक ओर (नंदी) बैल और दूसरी ओर ध्वज लिए अश्वारोही है, परन्तु किसी पर भी सम्वत नहीं लिखा है। इस कारण उनके राज्यभिषेक आदि का सही वर्ष नहीं आंका जा सकता। बैल और त्रिशूल से अनुमान लगाया जा सकता है कि वह शैव ब्राह्मण थे।

भीमदेव का बेटा नहीं था, उसकी बेटी का विवाह (कश्मीर के) लोहरकोट प्रदेश के सामंत सिंहराज से हुआ। उनकी बेटी दिद्दा का प्रणय कश्मीर के राजकुमार क्षेमगुप्त से हुआ और अपने पति के मरणोपरांत इसने 958 से 1002 ई. तक बड़ी निपुणता से राज किया।

सीस्तान का "सफ़्फार" राजवंश मध्यएशिया के महान (मुस्लिम) "सामानी" राज्य से युद्ध में हार कर बहुत कमजोर हो गया। इसका लाभ उठा कर काबुलशाही शासन ने गज़नी पर एक लावीक नाम के हिन्दू राजा को स्थापित कर दिया।

भारत और चीन से आने वाला अंतर्राष्ट्रीय व्यापार काबुल से होकर जाता था। अपने देश की प्रचुर उपज के अतिरिक्त काबुल राज्य को वहाँ से गुजरने वाले व्यापार पर करारोपण से बहुत धन राशि मिलती थी। सुशासन और धन इन मोहयाल शासकों की सफलता और कीर्ति के मुख्य स्रोत थे। उनके बैल और अश्वारोही वाले चाँदी के सिक्के (आजकल के अमेरिकी डॉलर के समान) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की सर्वप्रिय मुद्रा थी। अदभुत बात यह है कि उनका राज समाप्त होने के पश्चात भी उस प्रकार की मुद्रा की प्रियता कई शतकों तक बनी रही। यह उनके प्रभावी शासन के प्रति महत्वपूर्ण श्रद्धांजलि थी।

मोहयाल जाति की विशेषताऐं- उनका आत्मसम्मान, आत्मसंयम, निष्ठापूर्ण आचरण आदि- अर्थात मोह्यालियत, यह पूर्वजों से वंशागत विरासत है आप भी उन पूर्वजों को याद करके अपने श्रद्धा सुमन भेंट करते रहें।

आर.टी. मोहन, *पंचकूला*
(मो. 9464544728)
E-mail: rtmwrite@yahoo.co.in

अन्तिम यात्रा

श्रीमती वेद कुमारी दत्त का देहांत

श्रीमती वेद कुमारी दत्त धर्मपत्नी श्री मदनलाल दत्त का स्वर्गवास उनके निवास स्थान बराड़ा (हरियाणा) में 27 जनवरी 2016 को हुआ। उनकी रस्म–पगड़ी 5 फरवरी, 2016 को सम्पन्न हुई। श्रीमती वेद कुमारी दत्ता जी का जन्म 13 जनवरी 1936 को गाँव रैय्या ज़िला सियालकोट (अब पाकिस्तान) में पिता श्री भगतराम मोहन माता श्रीमती यशवंती देवी के घर पर हुआ। वह धार्मिक विचारों की स्त्री थी व सदा पूजा पाठ में लीन रहती थीं। श्रीमती वेद कुमारी दत्त जी अपने पीछे पति श्री मदनलाल दत्त, चार बेटे कुलभूषण दत्त, सुदर्शन दत्त, शम्मी दत्त, रणदीप दत्त व तीन बेटियाँ सरोज छिब्बर, नरेश छिब्बर, रीटा छिब्बर व दामाद राजेन्द्र छिब्बर, भूपेन्द्र छिब्बर, अजय छिब्बर व पोते–पोतियाँ, दोहते–दोहतियाँ हैं। हम सब परिवार के सदस्य भगवान से प्रार्थना करते हैं कि उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। परिवार की ओर से 200 रुपए जीएमएस व 200 रुपए बराड़ा मोहयाल सभा को भेंट किए।

श्रद्धांजलि

एक अप्रैल 2016 को पहली बरसी पर **श्रीमती शकुन्तला दत्ता** धर्मपत्नी स्वर्गीय कृष्णलाल दत्ता निवासी म.न. 1052 वार्ड न. 8, महरौली नई दिल्ली–110030 को समस्त परिवार की ओर से भाव–भीनी श्रद्धांजलि।

कई दिन कई राते गुजर गई कुछ महीने भी गुजर गए। अब आप की बरसी भी आने वाली है, परन्तु कोई दिन कोई पल ऐसा नहीं जब आप सारे परिवार के दिल व दिमाग से दूर हुई हैं। आप समस्त परिवार के सपनों में आकर अपनी यादें ताज़ा कर जाती हैं। मम्मा, आपकी इच्छानुसार आपके दोहते सगुन की शादी कौशल से 13 दिसंबर 2015 को कर दी गई है, व 19 दिसम्बर 2015 आशीर्वाद समारोह रखकर माता रानी का जागरण भी माँ के आशीर्वाद से पूर्ण कर दिया गया है। परिवार की प्रथा अनुसार 14 मार्च 2016 को श्रीमद्भागवत

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

पुराण का पाठ रखा जाएगा व 20 मार्च 2016 को भोग डालना निश्चित हुआ है। 1 अप्रैल 2016 को मोहयाल आश्रम हरिद्वार में लंगर के लिए ग्यारह हज़ार रुपए भेंट किए हैं। आपकी दोनों बेटियाँ प्रोमिला व सुधा दोनों दामाद प्रकाश व महेश, आपका दोहता सगुन, दोहती नेहा, सोनम व वधु कौशल आपको हर समय याद करते हैं।

श्री नन्दगोपाल मेहता (छिब्बर)

(1.07.1931-24.12.2015)

अपने बड़ों व माता–पिता से सुना था समय बहुत बलवान होता है। आज हम उसे महसूस कर पाई हैं। भाई–बहिन

पिता के न होने पर ऐसा लग रहा है कि जैसे पीछे मुड़कर देखने वाला कोई नहीं है, इतने बड़े होने पर भी हम सब बेसहारा होने का आभास कर रही हैं। परन्तु साथ ही उस भगवान की आवाज़ आ रही है कि उनकी परछाई व पद्–चिह्न हमेशा साथ हैं, सिर्फ़ महसूस करना है।

भगवान ने संसार एक विचित्र खूबसूरत रचना इतनी गहरी सच्चाई से की है कि उसे समझाना मुश्किल है। चिड़ियाँ तिनका–तिनका बीन कर अपना घौंसला बनाती हैं और फिर एक दिन उसे छोड़कर उड़ जाती हैं। इन्सान भी इसी तरह हर दिन हर पल अपनो को अपने रिश्तों को जोड़ता है। फिर एक दिन सबको छोड़कर चुपचाप चला जाता है, जिनके दुःख की चिंता में सारा जीवन निकाल देता है। अचानक उन्हीं से मुँह मोड़कर कहा जाता है कोई समझ नहीं पाया। काश! हम कभी भगवान से पूछें कि हमारे अपने सब कहाँ गए? कहाँ ढूँढ़े उन्हें? तो यही जबाव मिलता है कि रोओ मत, वे सब तुम्हारे आस–पास हैं, महसूस करें सिर्फ़!

मेहता नन्दगोपाल छिब्बर जी का निधन 24.12.2015 को एक छोटी बीमारी के बाद उनके निवास स्थान बी–9/715, लक्ष्मी गार्डन, यमुनानगर में हुआ। नन्दगोपाल जी स्व. श्रीमती मालन देवी और स्व. श्री रामदास जी छिब्बर जो लंगर पाकिस्तान के थे। विभाजन के पश्चात हमारे पापा जी छोटी उम्र में ही भारतीय रेलवे में नौकरी शूरू की। उन्होंने अपनी नौकरी में मेहनत वफादारी तथा पद पर कार्यरत रहे। उस समय छोटी आय में सभी भाई बहनों को उच्च शिक्षा और अच्छे संस्कार देकर अपने बच्चों को अच्छे परिवारों में सबकी शादी की। मेहता जी अपने परिवार में सबसे छोटे थे। चार बहिनें और दो भाई थे।

नन्दगोपाल मेहता की रस्म पगड़ी 26.12.2015 को उनके निवास पर हुई। रस्म–पगड़ी में सारे बिरादरी और सह सम्बन्धी ने हिस्सा लेकर उनको भाव–भीनी श्रद्धांजलि प्रदान दी। परिवार ने हर धार्मिक संस्था दान राशि प्रदान की और 200 रु. जीएमएस को भेंट किए। मेहता जी अपने पीछे अपनी धर्मपत्नी तीन बेटियाँ, चार दामाद व एक पुत्र वधू दो पौत्री, तीन दोतरी तथा तीन दोतरे छोड़ कर गये हैं। हम सब परिवार वाले भगवान से हाथ जोड़कर यह प्रार्थना करते हैं कि उनको अपने चरणों में स्थान दें व स्वर्गवास करें।

मंजु मेहता वैद, *ईस्ट आजाद नगर, दिल्ली*
मो. 9212172797

स्वर्गीय श्री नन्दकिशोर दत्ता जी की दूसरी पुण्यतिथि

हमारे पापाजी को गए हुए पूरे दो वर्ष हो गए हैं। कुछेक शख्सियतें ऐसी होती हैं जो लफ़्ज़ों के दायरे में नहीं बाँधी जा सकती। कई यादें ऐसी होती है जो कभी भी भुलाई नहीं जा सकती, और चंद बातें ऐसी होती हैं जो किसी शख्स की वजह से और खास हो जाती हैं।

हमेशा सादा जीवन एवं उच्च विचार की विचारधारा के प्रेरक थे हमारे पापा जी। इस मृत्यु लोक में मनुष्य जन्म लेता हैं फिर कर्म करते हुए मृत्यु को प्राप्त होता है। यह प्रकृति का शाश्वत नियम हैं। व्यक्ति की बातें चाहे भूल जाए लेकिन उनकी यादें हमेशा याद रहती है।

मेरी श्रद्धांजलि उनके प्रति यह है कि रेत के ऊपर उनके वो पद–चिहन् कभी किसी हवा व धूल से न मिटे। सारा परिवार आप को याद करता है।

सबकी तरफ से आप को श्रद्धा सुमन भेंट करते हुए,
आपकी पुत्रवधू सुनीता दत्ता।

श्रद्धांजलि

श्री कृष्ण गोपाल दत्ता जी समाज सेवक थे। बीस वर्ष से वो रोज सुबह सिविल अस्पताल में मरीजों को नाश्ता पहुँचाते थे। अपने जीवन काल में ही उन्होंने अपनी देह दान कर दी थी। इसलिए 12 दिसंबर को उनके देहांत के बाद उनके शरीर को पीजीआई चंडीगढ़ को दान दिया गया। वे मोहयाल सभा यमुनानगर के सम्मानित सदस्य थे और अपने अमूल्य सुझाव देते रहते थे। भगवान उनकी आत्मा की शांति दे। परिवार ने 250 रुपए मोहयाल सभा यमुनानगर को और 250 जीएमएस को दान दिए।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

पंडित सुखराज दत्त (जम्मू)

बहकने की कोई उम्र नहीं होती और समझने के लिए किसी मुहर्त की जरूरत नहीं होती सिर्फ ज़रूरत होती है एक दृढ़ इच्छा शक्ति और संकल्प की जो प्रभु की कृपा से पंडित सुखराज दत्त जी में अटूट थी। भगवान श्री परशुराम का पूजन करना, सूर्योदय होते ही भगवत स्मरण के साथ–साथ हवन यज्ञ करना– भगवान परशूराम जी की झाँकियां निकालना उनका दिन रात स्मरण करना उनकी धर्मनिष्ठा थी।

पंडित सुखराज दत्त जी का देहावसान 18 मार्च 2011 को हो गया, लेकिन उनकी आत्मा आज भी जम्मू के निवासियों पर उसी मोहयाली संस्कृति और सभ्यता के दर्शन कराती है, जिसको उन्होंने आजन्म (जन्म से लेकर मृत्यु तक) निर्भय और भगवान परशूराम जी के प्रति अटूट, निष्ठा, भावना और सत्य का आभास उनके सान्निध्य में सदैव रहा। परमात्मा उन्हें मोक्ष प्रदान करे। श्री नरेन्द्र लव जी ने 250 रुपए जीएमएस के शिक्षा फंड में भेंट किए।

नरेन्द्र लव, *शाहदरा, दिल्ली (मो.) 9911564481*

बीवी की मीयां से नोंक झोंक

(1) घर नू छेती आ वे बीबी, इन्ज ते न तड़फा वे बीबा
सानू झूठे लारे ला के, यारां दे नाल शाम मना के।

(2) बाहरों पी के, बाहरों खा के, आ जाना ऐं रात लंगा के
कुज ते शर्मा खा वे बीबी, घर नू छेती आ वे बीबी।

(3) ताने मेहने सुन के जग दे, शाम सवेरे हजूँ बग दे,
औ पल्ले पै गई मैं किस ठग दे, ओ रातीं केहड़े दफतर लग दे
इशक तेरे विच बाजी हर के, सस सोहरे दी खिदमत करके
दयोरां नन्दां कोलो डर के, की लबा ऐ सब लई मर के
किसे न कीते चा वे बीबी, घर नू छेती आ वे बीबी।

(4) दिल विच मेरे आन सलावां, अपने सतो वीर बुलावां,
रो–रो अपना हाल सुनावां, तैनू फैन्टी रज लुआवां,
आवे फेर मजा वे बीबी, घर नू छेती आ वे बीबी।

(5) तेरे दिल विचकार ऐ केहड़ी, बड्डी ओ फनकार ए केहड़ी,
साढ़े हुन विचकार ऐ केहड़ी, ओ दस खां मुटियार ए केहड़ी,
खिच लां ओहदे साह वे बीबी, घर नू छेती आ वे बीबी।

लेखक– शाहिद फाखरी–शायर पाकिस्तानी

यह जिंदगी भी क्या अजीब है, क्या है इसकी दास्तां,
हर शख्स इसका मुरीद है, तभी तो कहते हैं इसे गुलिस्तां।

नरेन्द्र बाली, *जयपुर (मो.) 9166422820*

मानव का दुश्मन कट्टरपंथ

खुद गर्ज मानव ने मानव को देखों,
भ्रम जाल बुनकर कैसे फंसाया,
भटकता रहा हैं उम्र भर ये मानव, ना जीते मिला कुछ ना मर करके ही पाया।

कट्टरपंथी लोगों और सामन्तों ने मिलकर,
मानव से मानव को इतना लडाया,
लाखों–करोड़ों कत्ल बेगुनाहों के हुए हैं,
बादशाहों ने यह हुक्म खुदा का बताया।

जब मानव के मस्तिष्क में आई रोशनी कुछ,
तो इन शाहों की गद्दी से नीचे बिठाया,
अब फिर कट्टर पंथी लोगों ने मिलकर,
अन्धे धर्म से सियासत को सच्चे धर्म से लड़ाया।

शिया और सुन्नी का नारा लगाकर,
मुस्लिम से मुस्लिम को किसने भिड़ाया,
याह्या ने बंगला में फौजे ले जाकर,
क्यूं लाखों मुस्लिमों को कब्र में सुलाया।

इराक–ईरान दोनों ही मुस्लिम,
फिर क्यूँ मुस्लिम ने मुस्लिम पर खन्जर चलाया,
स्वर्णों को देखों हजारों बरस से,
कह करके शूद्र इनको कितना सताया।

निरंकारी बाबा को किसने हैं मारा,
स्वामी को किसने जहर पिलाया,
यीसू को फाँसी पै किसने चढ़ाया,
गाँधी को गोली से किसने उड़ाया,
कट्टर पंथी मानव होता हैं पागल,
"बक्शी" ने उसको हैं खूब आजमाया।

वजीरचन्द बक्शी

रचनाएँ भेजते समय ध्यान दें

- रचनाएँ पोस्टकार्ड या छोटे–छोटे कागज के टुकड़ों पर लिखकर न भेजें। रिपोर्ट और रचनाएँ आदि साफ़ स्पष्ट और शुद्ध लिखें जिन्हें पढ़ा जा सके। ई–मेल से रचनाएँ टाइप करके ही भेजें।
- प्रत्येक रचना भेजने के पश्चात दो माह प्रतीक्षा करें। इसके पश्चात ही कार्यालय से पूछताछ करें।
- मोहयाल मित्र बिरादरी की धड़कन है, बिरादरी की शान है, परिवारों के सुख–दुःख का साथी है। इससे देश–विदेश में बसे मोहयालों के समाचार एक–दूसरे तक पहुँचते हैं। रिश्ते–नाते कराने का माध्यम है। जीएमएस द्वारा किए कार्यों और योजनाओं की जानकारी का साधन है। मोहयाल मित्र का वार्षिक शुल्क केवल 200 रु. हैं

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor